ओमशान्ति होमवर्क 5.8.16

हाँ जी, जी हजूर, यस मॉय लॉर्ड...

- हाँ जी करना - यह सकारात्मक भाव को दर्शाता है।
- हाँ जी करना माना सन्मान देना, और सन्मान देना ही सन्मान लेना है।
- जब हम किसी पर पूरी श्रद्धा वा विश्वास करते हैं तो हमें हाँ जी कहना, करना सहज लगता है।
- मम्मा को बाबा पर पूरा निश्चय था, इसीलिये मम्मा ने कभी ना नहीं कहा, सदा हाँ जी, जी हाँ... कहती और करती रही। चाहें उस कार्य का उन्होंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था लेकिन बाबा ने कहा और ने हाँ जी कहके करके दिखाया।
- बाबा ने मुरलियों में ये भी कहा है कि बाप को सदा हाँ जी कहने वाले बच्चे ही अच्छे लगते हैं।
- किसी क्रोधी अथवा उत्तेजित व्यक्ति को उसके कहे अनुसार किसी भी कार्य के लिये यदि आप तुरंत हाँ जी कहते हैं तो आप उसे किसी हद तक शान्त कर सकते हैं।
- हाँ जी करते, जी हजूर करते उन्नति तथा प्रगति को प्राप्त कर सकते हैं।
- हाँ जी कहने से आपको रिटर्न में सर्व का सहयोग प्राप्त होता है।
- हाँ जी वा जी हजूर कहने से सर्व को सन्तुष्ट किया जा सकता है।
- निश्चय बुद्धि बन श्रीमत पर हर कर्म करना भी जी हजूर करना, हाँ जी करना है।
- हाँ जी कहने वाले सदा राजी रहते हैं।
- हाँ जी वा जी हजूर करने से बहुत-सी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।
- मम्मा ने हाँ जी का पाठ पक्का किया और नम्बरवन बन गयी।
- बापदादा ने जो श्रीमत वा मर्यादायें दी हैं, उनका सच्चाई से पालन करना भी जी हजूर वा हाँ जी करना है।
- हाँ जी कहने से सम्बन्धों में मधुरता लायी जा सकती है।
- बापदादा की किसी भी आज्ञा मिलने पर यस मॉय लॉर्ड कहने वा करने से बापदादा के दिलतख्तनशीन बन सकते हैं।
- करनकरावनहार बाप है, हमें सिर्फ हाँ जी वा जी हजूर करना है,
- बाबा कहते पवित्र बनो, योगी बनो। अगर जीवन में बाबा की इस श्रीमत को पालनप करते हैं तो यह भी जी हजूर वा हाँ जी कहना है, यस मॉई लॉर्ड कहना और करना है।
- आज्ञा भई आकाल की तब चलायो पंथ, सब सिक्खों को हुक्म हैं गुरू मान्यो ग्रंथ।
- एक ने कही दूसरे ने मानी तो शिवबाबा कहे दोनों ही ज्ञानी।
- ऐसे लॉर्ड ऑफ दी लॉर्डेज, किंग ऑफ दी किंग्सेस बाबा के हम सब बच्चे हैं तो उनकी आज्ञाओं पर चल करके उनकी सारी प्रॉपर्टी का मालिक बन सकते हैं लेकिन शर्त है कि वो जो कहे जैसे कहे वैसे करना पड़ेगा। अभी नहीं तो कभी नहीं इसलिए जो करना है वो अब कर लें ये वक्त...
- ऐसे आप भी इसमें और भी कई प्वाइंट्स निकाल करके जोड़ सकते हैं...। क्योंकि कई बार हम मुरलियों में सुनते तो हैं और भूल भी जाते हैं इसलिए फिर से इसे होमवर्क के रूप में याद कर नोट कर सकते हैं...। ओ.के.।